श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 196, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

संध्या कालीन | नगर संस्करण | प्रयागराज | शनिवार 10 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

दिल्ली एचसी की बड़ी टिप्पणी

देश को समान नागरिक संहिता की जरूरत, सरकार को करना चाहिए विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक कोर्ट केस के फैसले में हाईकोर्ट ने ये टिप्पणी की है। आर्टिकल 44 के तहत समान नागरिक संहिता लागू करने का वक्त आ चुका है। दिल्ली हाईकोर्ट की तरफ से कहा गया है कि सरकार को समान नागरिक संहिता पर विचार करना चाहिए। यूनिफॉर्म सिविल कोड का मतलब है देश में हर नागरिक के लिए एक समान कानून का होना, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति से ताल्लुक क्यों न रखता हो। इसको लेकर देश में समय-समय पर बहस चलती रहती है और कई धरों की ओर से इसे लागू करने की मांग भी की जाती रही है। लेकिन अब कॉमन सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता पर दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा बयान सामने आया है। दिल्ली हाई कोर्ट की तरफ से कहा गया कि देश को अब समान नागरिक संहिता की जरूरत है। तलाक को लेकर एक कोर्ट केस के फैसले में हाईकोर्ट ने ये टिप्पणी की है। आर्टिकल 44 के तहत समान नागरिक संहिता लागू करने का वक्त आ चुका है। दिल्ली हाईकोर्ट की तरफ से कहा गया है कि सरकार को समान नागरिक संहिता पर विचार करना चाहिए। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि आर्टिकल 44 की धारणा को हकीकत का रूप देने का वक्त आ गया है। देश बदल रहा है और लोग जाति-धर्म के बंधन से ऊपर उठ रहे हैं। देश में पारंपरिक बाधाएं भी अब कम हो रही है। कुछ मामलों में शादी के बाद तलाक में युवाओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों से निपटने के लिए देश में यूनियन सिविल कोड लागू करने की जरूरत है।

जस्टिस प्रतिभा एम सिंह के समक्ष एक मामला आया था।

तीसरी लहर को थामने की तैयारी!

पीएम मोदी ने दिया देश भर में 1500 ऑक्सीजन प्लांट्स लगाने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना की तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। देश में मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हाईलेवल मीटिंग की और 1,500 ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाने का आदेश दिया।

इन प्लांट्स को देश भर के अलग-अलग हिस्सों में स्थापित किया जाएगा। पीएम मोदी ने इस मीटिंग में अधिकारियों से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि ये जल्दी से जल्दी काम करना सुनिश्चित कर दें। इसके साथ ही मीटिंग में पीएम

मोदी ने हॉस्पिटल स्टाफ को ऑक्सीजन प्लांट के संचालन और रखरखाव के लिए जरूरी ट्रेनिंग दिए जाने पर भी जोर दिया। इन ऑक्सीजन प्लांट्स की फंडिंग पीएम केयर्स फंड से की जाएगी। इससे देश में 4 लाख ऑक्सीजन बेड तैयार करने में मदद मिलेगी। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस अहम मीटिंग में कहा कि हर जिले में ऐसे कुछ लोग होने चाहिए, जिन्हें ऑक्सीजन प्लांट्स के संचालन और रखरखाव के लिहाज से ट्रेनिंग दी जाए। भारत में मार्च से लेकर मई तक चली कोरोना की दूसरी लहर में बड़े पैमाने पर कोरोना के केस मिले थे।

यही नहीं पहली लहर के मुकाबले इस बार ऑक्सीजन की कमी के मामले बहुत ज्यादा देखने को मिले थे। वहीं मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु समेत देश के तमाम शहरों में मेडिकल ऑक्सीजन, वेंटिलेटर बेड्स आदि तक की कमी पड़ गई थी। इसके चलते सरकार को भी काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

कोरोना की दूसरी लहर खत्म होने से पहले खुलने लगे स्कूल, बिहार के बाद हरियाणा और गुजरात का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना केसेज में गिरावट के साथ अलग-अलग राज्यों में स्कूल और कॉलेज खोलने की तैयारी होने लगी है।

शुक्रवार को हरियाणा के शिक्षा मंत्री ने इसको लेकर बयान जारी किया। वहीं गुजरात में 15 जुलाई के बाद इसकी तैयारी हो रही है। गौरतलब है कि बिहार में भी स्कूल खोलने की तैयारियां चल रही हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक ?हरियाणा के शिक्षा मंत्री ने 9 से 12वीं तक के स्कूल खोलने की बात कही है। इसके मुताबिक 16 जुलाई से छात्रों को स्कूल बुलाया जा सकता है। हालांकि इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अनिवार्य रहेगा। अगर स्थितियां अनुकूल रहती हैं तो अन्य कक्षाओं के छात्रों को भी बुलाया जा सकता है।

2011 की जनगणना के अनुसार होगा जम्मू-कश्मीर का परिसीमन, बोले मुख्य चुनाव आयुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर का परिसीमन 2011 की जनगणना के अनुसार होगा। अंतिम ड्राफ्ट सभी मांगों और सिफारिशों को लेने के बाद तैयार किया जाएगा। परिसीमन आयोग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि पहला संपूर्ण परिसीमन कमीशन 1981 में बना था। इसने 14 साल बाद 1995 में अपनी सिफारिश जमा की थी। यह 1981 की जनगणना पर आधारित था। उसके बाद किसी भी परिसीमन आयोग का गठन नहीं किया गया था। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने बताया कि 2020 में जम्मू और कश्मीर पुर्नगठन एक्ट 2019 के सेक्शन 62

के मुताबिक 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन तय किया गया था। इसके मुताबिक संघशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की 24 विधानसभा सीटें खाली रहनी हैं। इन सीटों के पीओके में होने के चलते ऐसा होगा। हालांकि परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यहां पर कुल विधानसभा सीटों की संख्या 83 से बढ़कर 90 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि 1995 में यहां पर कुल 12 जिले थे। अब इनकी संख्या बढ़कर 20 हो चुकी है। वहीं तहसीलों की संख्या 58 से बढ़कर 270 तक पहुंच चुकी है। 12 जिले ऐसे हैं, जहां विधानसभा की सीमा जिले की सीमा से बाहर तक चली गई है।

दो राज्यों के 29 जिलों में अब भी कोरोना का कहर, देश के आधे केस यहीं: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में भले ही कोरोना के नए केसों की रफ्तार प्रतिदिन 50 हजार से कम बनी हुई है, लेकिन अब भी खतरा टला नहीं है। कुछ इलाकों में अब भी कोरोना की दूसरी लहर कहर बरपा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को अकेले महाराष्ट्र और केरल में ही देश के आधे से ज्यादा केस मौजूद हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि केरल के 14 और महाराष्ट्र के 15 जिले चिंता की वजह बने हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर अभी पूरी तरह से गई नहीं है। उन्होंने कहा कि अब भी वायरस यहां मौजूद है।

शनि के चांद पर जीवन होने के पुख्ता प्रमाण, नासा की स्टडी में सामने आया चौंकाने वाला दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलियन के अस्तित्व को लेकर अक्सर ही बहस होती रहती है। दुनियाभर की विज्ञान पत्रिकाओं में इसको लेकर अलग-अलग शोध प्रकाशित होते रहते हैं। कभी कोई इनके रेडियो तरंग मिलने के दावे करता है तो कभी कुछ और। लेकिन हाल ही में नासा ने एलियन को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। एक वेबसाइट पर चल रही खबर के मुताबिक नेचर एस्ट्रॉनॉमी जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी में कहा गया है कि शनि पर विशेष खोज के लिए भेजे गए नासा के उपग्रह कैसिनी ने इस बारे में ठोस आंकड़े रिकॉर्ड किए हैं। इसके मुताबिक शनि ग्रह के चंद्रमा, एन्केलैडस पर एलियन होने की संभावना जताई गई है। इस स्टडी में खगोलविज्ञान के पांच शोधकर्ताओं को शामिल किया गया है। इसके मुताबिक कैसिनी मिशन के दौरान एन्कैलैडस की सतह पर बड़ी मात्रा

में मीथेन पाया गया है। इसमें कार्बन और हाइड्रोजन मिला हुआ है। इसके अलावा उपग्रह की सतह पर काफी मात्रा में डिहाइड्रोजन के मॉलीक्यूल्स और कार्बन डाइ आक्साइड भी मिली है। इन सभी का इतनी मात्रा में मिलना तभी संभव है जबकि यह किसी जीवंत वस्तु के संपर्क में आए हों। शोधकर्ताओं के मुताबिक अगर धरती पर जीवन को लेकर मिलने वाली बातें सत्य हैं तो शनि के इस उपग्रह पर मिली चीजें इस बात का पुख्ता प्रमाण हैं कि वहां किसी न किसी रूप में जीवन है। गौरतलब है कि शनि के चंद्रमा एन्केलैडस पर कई बार जीवन होने की संभावनाएं जताई जा चुकी हैं। इसके तहत इस ग्रह को लेकर कई अन्य अध्ययन भी हुए हैं।

इस उपग्रह की सतह के नीचे एक समुद्र है जो बर्फ की पर??त से दबा हुआ है, जिसके अंदर गरमी है। ऐसे में वहां पर जीवन होने की संभावनाएं प्रबल हैं। स्टडी के मुताबिक मीथेन मिलने से यहां पर जीवन होने के आसारा काफी ज्यादा हैं। हालांकि इसको लेकर अभी और ज्यादा अध्ययन किए जाने की भी जरूरत है।

हिल स्टेशनों में भीड़, बाजारों में हुजूम... तीसरी लहर को जल्दी आने की दे रही है दावत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस ने देश और दुनिया में जिस तरह तबाही मचाई उससे लोग त्राहि-त्राहि हो चुके हैं। वहीं अब जब कोरोना की दूसरी लहर ढलान पर है तब इस वायरस की तीसरी लहर चिंता का कारण बनी हुई है। ऐसे में सतर्क रहना जरूरी है लेकिन लॉकडाउन से ऊब चुके लोग मानो हालातों को समझने को तैयार ही नहीं और निकल पड़े हैं घूमने फिरने। दरअसल लॉकडाउन में ढील मिलते ही लोग गर्मी से राहत के लिए पहाड़ों की ओर निकल पड़े हैं।

पंजाब में कृषि कानूनों के विरोध के बीच बीजेपी का बड़ा ऐलान, सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी पार्टी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के संगठन महासचिव बीएल संतोष ने कहा है कि पार्टी प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में राज्य की सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और राज्य में सरकार का गठन करेगी। प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के आलोक में भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के साथ बैठक करने यहां पहुंचे संतोष ने यह घोषणा की। पंजाब में इससे पहले बीजेपी अकाली दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ती रही है, लेकिन राज्य में केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के विरोध को देखते हुए अकाली दल साथ छोड़ दिया। अकाली दल ने अब बीएसपी के साथ गठबंधन किया है तो आम आदमी पार्टी (आप) भी कांग्रेस से सत्ता छीनने की कोशिश में जुटी है। संगठन महासचिव ने पार्टी के राज्य नेताओं

और अन्य के साथ भी बैठक की और प्रदेश की राजनीति पर चर्चा हुई। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संतोष ने कहा कि देश में भाजपा की लहर है और पंजाब की जनता राज्य में भी भाजपा की सरकार बनाने की इच्छुक है। संतोष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में सभी 117 सीटों पर विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेगी और लोगों के सहयोग से 2022 में होने वाला विधानसभा चुनाव जीतेगी।

बीएल संतोष ने कहा कि पूरा विपक्ष कोई चाल चलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने का प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। संगठन महासचिव ने कहा कि कृषि कानूनों के खिलाफ विपक्ष का गलत प्रचार जल्दी ही खत्म हो जाएगा क्योंकि किसानों को यह महसूस हो गया है कि इन कानूनों से समृद्धि आएगी।

अनियंत्रित अप्पे पलटी मासूम बच्ची की मौत मां सहित दो घायल

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। क्षेत्र के बादलगंज हाईवे पर रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने सवारी भर कर घूरपुर की तरफ जा रही अप्पे के सामने अचानक कुत्ता आ जाने से अप्पे अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गई जिसमें सवार एक मासूम बच्ची की मौत हो गई जबकि बच्ची की मां सहित दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

शुक्रवार की सुबह शहर से सवारी भरकर घूरपुर की तरफ जा रही अप्पे जैसे ही बादलगंज गांव के सामने हाईवे पर पहुंची की सामने अचानक एक कुत्ता आ गया जिसे बचाने के लिए चालक ने एकाएक ब्रेक लगा दिया जिससे अप्पे अनियंत्रित होकर पलट गई जिसमें सवार यात्री

रानी(40) पतनी झगडू व उसकी चार वर्षीय बेटी गुड़िया निवासी गौहनिया बंजारा का डेरा सहित जसरा सीएचसी की एएनएम निर्मला(30) निवासी मामा भांजा तालाब नैनी अप्पे के नीचे दब गई आसपास के लोगो ने निकला तो गुड़िया की मौक़े पर ही मौत हो चुकी थी। जबकि उसकी मां और ए एन एम गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हे पास के एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। हादसे में मृत गुड़िया के परिजनो ने पुलिस को बगैर सूचना दिए उसका अंतिम संस्कार कर दिए। हादसे में मासूम बच्ची की मौत से परिजनो में कोहराम मच गया।

अनलाइन वेबिनार विषय कैरियर का हुआ सुभारंभ

अखंड भारत संदेश

करछना। प्रयाग इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनलॉजी एंड मैनेजमेंट बेंदौ करछना प्रयागराज मे आनलाइन वेबिनार जिसका विषय कैरियर गाइडेंस फार इंजिनियरिंग स्टूडेंट्स था। कार्यक्रम का सुभारंभ संस्था के सचिव ई. विकास सिंह जी ने किया।कार्यक्रम के आरगेनाइजर राजेन्द्र कुमार जी एवं राहुल कुमार जी एवं कार्यक्रम के वक्ता आंनद कुमार जी मोटीवेशनल स्पीकर ँ ॅउर्ध्ँउ ँईंश्भ् थे। कार्यक्रम का वेलकम संस्था के निदेशक डॉक्टर सुभाष चंद्र तिवारी एवं कुलसचिव आशीष तिवारी जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन हिमांशु कुमार द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर संस्था के शिक्षक विरेन्द्र सिंह, यच यल पटेल, आशुतोष तिवारी, प्रेम चंद राम, विनीत भूषण जी एवं समस्त छात्र उपस्थित रहे।

पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए पौध रोपण जरूरी : विकास सिंह

अखंड भारत संदेश

करछनौ। को प्रयाग इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनलॉजी एंड मैनेजमेंट बेंदौ करछना प्रयागराज मे वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण किया गया।

पीपल, बरगद, आम, नीम, जामुन, बेल, सहजन, अमरूद, इमली, कदम आदि फलदार एवं छायादार करीब 200 पौधो का रोपण किया गया। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में सचिव ई. विकास सिंह, संस्था के निदेशक डॉद सुभाष चंद्र तिवारी ,कुलसचिव आशीष तिवारी जी एवं विभागाध्यक्ष हिमांशु कुमार द्विवेदी, वीरेन्द्र सिंह, हिंच लाल पटेल, प्रेम चंद, विनीत भूषण, महिपाल सिंह, अंकित सिंह सहित सभी अध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सदस्य ने चौकी प्रभारी का किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

जारी/प्रयागराज। कौंधियारा थाना अंतर्गत दिन शुक्रवार को जारी पुलिस चौकी में नवागत चौकी प्रभारी निखिलेश तिवारी का जोरदार स्वागत हुआ। जहाँ जिला पंचायत सदस्य आलोक कुमार कोल व जारी ग्राम प्रधान रेनू बिहारी जायसवाल ने नवागत चौकी प्रभारी का स्वागत फूल माला के साथ किया गया । नवागत चौकी प्रभारी निखिलेश तिवारी ने उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित हुए- ननकेश बाबू

अखंड भारत संदेश

करछना। जिला अपराध निरोधक कमेटी प्रयागराज द्वारा ननकेश बाबू को किया गया सम्मानितः जिला अपराध निरोधक समिति प्रयागराज द्वारा आर्य कन्या इण्टर कॉलेज प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, इंडियन फेडरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशन्स एसोसिएशन(घ्ड्ळँ-) के चेयरमैन न्यायमूर्ति श्री शंभू नाथ श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि आई.जी. रेंज प्रयागराज श्री कविंद्र प्रताप सिंह एवं आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री पंकज जायसवाल के द्वारा

आयोजक जिला सचिव संतोष श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जिला अपराध निरोधक समिति के तहसील सचिव करछना श्री ननकेश बाबू को सम्मानित किया गया। जिसमे मुख्य रूप से श्री आर. एस. वर्मा, लक्ष्मीकांत मिश्र, नरेंद्र देव मिश्र, अभिषेक तिवारी, दिग्विजय सिंह, संजय मिश्र, नरेंद्र यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

सर्प काटने से महिला की मौत मचा कोहराम

करछना। क्षेत्र के वीरपुर गाव मे एक महिला को किसी जहरीले जतु ने काट लिया काफी देर बाद जब वह बेहोश हो गई तो घर मे एकलौते बेटे ने पास पडोस क लोगो को जानकारी दी।लोग उसे लेकर अस्पताल गये जहा डाक्टरो ने मृत घोषित कर दिया।गाव निवासी पूजा केसरवानी 35 का पति काफी दिनो से महिला को छोडकर कही चला गया।घर मे पूजा अपने 14 साल के बेटे के साथ रह रही थी अचानक मां की मौत से बेटा बदहवास हो गया।

घूरपुर में अज्ञात के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज

ब्लॉक प्रमुख चुनाव का मामला

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। ब्लॉक प्रमुख चुनाव की रस्साकसी के बीच घूरपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ बीडीसी सदस्यों के गायब करने के आरोप में अपहरण का केस दर्ज किया गया है । घूरपुर थाना क्षेत्र में आने वाले जसरा ब्लॉक प्रमुख के पद के चुनाव मैदान में सपा से अजित सिंह उर्फ पप्पू सिंह प्रत्याशी हैं तो वहीं भाजपा ने चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी को अपना उम्मीदवार बनाया है । शनिवार के दिन बीडीसी अपने अपने मत का प्रयोग कर ब्लॉक प्रमुख चुनेंगे ।पंचायत चुनाव के परिणाम आने के बाद से ही दोनो उपरोक्त प्रत्याशी बीडीसी सदस्यों से संपर्क कर अपने पाले में मतदान करने के प्रयास में थे । अभी विगत दिनों हुए जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव के संपनन होने के बाद ही निर्वाचन आयोग ने ब्लॉक प्रमुख चुनाव की तिथि एकाएक घोषित कर दी । जिससे एक पक्ष ने दर्जनों बीडीसी सदस्यों को गायब कर दिया था । जिस मामले में घूरपुर पुलिस ने एक अज्ञात के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया है ।

श्रद्धा के परिजनो से मिलने पहुचे कांग्रेसी

अखंड भारत संदेश

सहसों। कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशफाक अहमद सहित कई वरिष्ठ नेता 3 जुलाई को ग्राम घरहरा चकिया में मासूम बालिका श्रद्धा भारतीय 11 वर्षीय जिसकी 3 दिन बाद झाड़ी में क्षत-विक्षत लाश पाई गई थी। शुक्रवार को घरहरा चकिया गांव जाकर कांग्रेस नेताओं ने मृतक बालिका के परिवारी जनों को सांत्वना देते हुए मिलकर हालचाल जाना और शासन प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग किया ताकि दोषियों को माकूल सजा मिल सके। इस मौके पर अशफाक अहमद ने कहा इस मानवीय कृत्य, बेहद घृणित दर्दनाक घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है। घटना के बाद से क्षेत्र में असुरक्षा और डर का माहौल व्याप्त है। परिवार वालों ने बताया कि बच्ची के शरीर पर कोई ज्वलनशील पदार्थ डालकर उसके शरीर को क्षत-विक्षत कर दिया गया । शोक संतप्त परिवार को ढांढस बढ़ाते हुए लोगों ने शासन प्रशासन से निष्पक्ष न्याय व जांच की मांग किया। मौके पर एडवोकेट देवराज उपाध्याय, गोविंद सिंह, शमशेर बहादुर सिंह पटेल, अमरनाथ भारतीय, शिवराम भारतीय, मोहनलाल भारतीय, शीलवंत, शकुन्तला देवी आदि लोग उपस्थित रहे।

न्यायमूर्ति के चेयरमैन बनने पर जिला अपराध निरोधक समिति ने किया सम्मान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज/शंकरगढ़। जिला अपराध निरोधक समिति ने न्यायमूर्ति शंभूनाथ श्रीवास्तव को सम्मानित किया है। शहर के आर्य कन्या इंटर कालेज में आयोजित सम्मान समारोह में समिति ने कहा कि न्यायमूर्ति का इंडियन फेडरेशन आफ यूनाइटेड नेशंस एसोसिएशन का चेयरमैन बनना गर्व की बात है। सम्मान समारोह को खिताब करते हुए न्यायमूर्ति शंभूनाथ श्रीवास्तव ने कहा कि यदि व्यक्ति पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करे तो उसे सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

न्यायमूर्ति ने कहा कि मैंने अपनी सेवा के दौरान कार्य के प्रति पूरी निष्ठा बरती। जरूरतमंदों के काम आना भी समाज की सच्ची सेवा है। उन्होंने यूएन का

विश्वविद्यालय भी बनवाने का संकल्प लिया। शंभूनाथ श्रीवास्तव छत्तीसगढ़ के लोकायुक्त भी रह चुके हैं। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए आईजी केपी सिंह ने जिला अपराध निरोधक कमेटी के प्रयासों की सराहना की, साथ ही न्यायमूर्ति शंभूनाथ श्रीवास्तव को बधाई दी।

जिला अपराध निरोधक समिति के संरक्षक अखिलेश श्रीवास्तव ने कहा कि उनकी नियुक्ति पूरे प्रयागराज के लिए सम्मान की बात है।

इससे पूरे जनपद का मान बढ़ा है। कार्यक्रम में प्रो. पंकज कुमार, पूर्व आयुक्त आरएस वर्मा, आर्य कन्या इंटर कालेज के चेयरमैन पंकज जायसवाल, प्रधानाचार्या डा. रमा सिंह, सचिव संतोष श्रीवास्तव,लक्ष्मीकांत मिश्र,संदीप कुमार सोनी, आलोक गुप्ता,जय केसरवानी आदि मौजूद रहे। अंत में सचिव संतोष श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार जताया।

विकासखंड सहसों के ब्लॉक प्रमुख चुनाव में एक प्रत्याशी ने पर्चा लिया वापस

अखंड भारत संदेश

सहसों। नवसृजित ब्लॉक विकासखंड सहसों के ब्लाक प्रमुख चुनाव में 3 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया था। जिसमें शुक्रवार को एक निर्दल प्रत्याशी ने अपना पर्चा वापस ले लिया। विकासखंड सहसों के चुनाव अधिकारी संजय सिंह के अनुसार ब्लाक प्रमुख के 3 प्रत्याशियों में से एक निर्दलीय प्रत्याशी मसुरिया दीन यादव ने अपना पर्चा वापस ले लिया है। अब चुनाव मैदान में शेष 2 प्रत्याशियों भाजपा के गीता सिंह एवं समाजवादी पार्टी के शुभी यादव में सीधी टक्कर है।

कानून को हाथ में लेने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : डीएम

अखंड भारत संदेश

हंडिया। शुक्रवार को डीएम संजय खत्री तथा डीआईजी एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी प्रयागराज हंडिया ब्लॉक पहुंचकर निरीक्षण किया मौजूद रहे एसडीएम व वीडियो को सख्त निर्देश दिया कि सीसीटीवी कैमरे व बैरिकेडिंग की व्यवस्था और सुदृढ़ किया जाए कोतवाली परिसर में स्थानीय मीडिया कर्मियों से वार्ता के समय द्वव अधिकारियों ने कहा शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव संपनन कराना प्राथमिकता है ।

कानून का पालन होगा यदि

कोई भी व्यक्ति नियम के खिलाफ कार्य या अराजकता फैलाने की कोशिश किया तो बख्शा नहीं जाएगा ब्लॉक परिसर में निरीक्षण करते समय डीएम ने निर्देश दिया की पूरी तैयारी यथाशीघ्र करके देर शाम तक पुरी कर लिया जाए । निरीक्षण के समय चुनाव के आरो महेंद्र प्रताप सिंह एसडीएम अजय नारायण सिंह, वीडियो राजबहादुर यादव कोतवाल बृजेश सिंह, चालक रमेश मिश्रा समेत भारी पुलिस बल व कर्मचारी तैनात रहे।

संदिग्ध परिस्थितियो मे महिला की मौत

अखंड भारत संदेश

करछना। क्षेत्र के तरौल गाव मे गुरूवार दोपहर एक महिला की सदिग्ध परिस्थितियो मे मौत हो गई,हालत गभीर देख परिजन उसे एक निजी अस्पताल ले गये जहा डाक्टरो मे मृत घोषित कर दिया।गाव निवासी मधु सोनी 26 पतनी उमेश कुमार घर मे अकेली थी और जब परिजन घर पहुचे तो वह अचेत पडी थी परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुचे जहा डाक्टरो ने मृत घोषित कर दिया डाक्टरो ने बताया कि किसी जहरीला पदार्थ खाने से उसकी मौत हो गई।

जसरा में 1335 ने कराया वैक्सिनेशन

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में चल रहे वैक्सीनेशन कैम्प में शुक्रवार को दस गांवों में कैम्प लगाया गया। गांवों में कार्यरत आशाओं ने बताया कि घर घर जाकर टीकाकरण के लिए काफी मशक्कत के बाद लोगों को कैम्प तक ले आना पड़ रहा है।

शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में हो रहे टीकाकरण के साथ ही बिरवल में 157,पूरे किनन्र में 102,कचरा में 139,नगरवार में 110,जगदीशपुर में 157,सरसेड़ी में 100,कूंड़ी में 83, गौहानी में 102,रामपुर में 90 और खौरिया में 102 लोगों ने टीकाकरण कराया। जब कि नीशा गौतम ने बताया कि सीएचसी जसरा में 193 लोगों ने वैक्सीन लगवाया है।

सीएचसी अधीक्षक डा0तरुण पाठक ने बताया कि प्रत्येक गांवों में टीकाकरण के लिए दो दिन का कैम्प लगाया जा रहा है। जो लोग अब भी वैक्सीन नहीं लगवा पाये है ,वह भी कैम्प में पहुंच कर टीकाकरण करा लें। टीकाकरण कैम्प में जगदीशपुर के प्रधान विराट त्रिपाठी, कचरा प्रधान मीरा त्रिपाठी के साथ ही ऊषा कनौजिया, चन्द्रमुखी, रेनू सिंह,संतोष, अनीता सिंह, अनीता साहू,पूजा चतुर्वेदी, ममता सिंह व आरती सिंह मौजूद रहीं।

बगीचे में खेलने गयें युवक की बिजली के चपेट में आने से मौत

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत हनुमान पुर गांव में बगीचे में खेलने गए 10 वर्षीय युवक की गिरे हुए तार के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक हनुमानपुर गांव निवासी गया प्रसाद द्विवेदी के पुत्र शिवांश 10 वर्ष शुक्रवार सुबह के वक्त घर से थोड़ी दूर पर बगीचे में खेलने के लिए गया था। वही गांव के ही समीप एक निजी मेडिकल संचालन के द्वारा बगीचे में से बिजली का तार दौड़ाया गया था, और आज सुबह के वक्त शॉर्ट सर्किट से तार टूट कर गिर गया था। जिसमें बिजली का संचालन चालू था। उसी दरमियान खेलते वक्त युवक अचानक तार की चपेट में आ गया और आंशिक रूप से झुलस गया। जिसकी जानकारी होने पर परिजनों ने आनन-फानन में उपचार के लिए सीएससी करछना ले गए जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। गया प्रसाद द्विवेदी घर पर ही रह कर खेती बाड़ी का काम करते हैं। उनके दो पुत्रों में शिवांश दूसरे नंबर का लड़का था। वहीं युवक की मौत के बाद माता रानी देवी का रो रो कर बुरा हाल हो गया है।

संदिग्ध परिस्थितियो मे महिला की मौत

करछना। क्षेत्र के तरौल गाव मे गुरूवार दोपहर एक महिला की सदिग्ध परिस्थितियो मे मौत हो गई,हालत गभीर देख परिजन उसे एक निजी अस्पताल ले गये जहा डाक्टरो मे मृत घोषित कर दिया।गाव निवासी मधु सोनी 26 पतनी उमेश कुमार घर मे अकेली थी और जब परिजन घर पहुचे तो वह अचेत पडी थी परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुचे जहा डाक्टरो ने मृत घोषित कर दिया डाक्टरो ने बताया कि किसी जहरीला पदार्थ खाने से उसकी मौत हो गई।

प्रमुख के लिए दो प्रत्याशी होंगे आमने-सामने

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार क्षेत्र पंचायत जसरा में प्रमुख पद के दो प्रत्याशियों ने एक एक नामांकन वापस कर लिया है। निर्वाचन अधिकारी/डीपीओ मनोज कुमार राव ने बताया कि अब दो प्रत्याशी शेष रह गये हैं।

विकास खंड जसरा में प्रमुख पद के लिए दो उम्मीदवारों ने चार सेट नामांकन दाखिल किए थे। जिसमें शुक्रवार को नाम वापसी में अजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने एक और दूसरे प्रत्याशी चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी ने एक पर्चा वापस कर लिया। इस तरह अब दोनों प्रत्याशियों में आमने सामने मतदान होगा। निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार राव ने बताया कि मतदान शनिवार को सुबह 11 बजे से सायं तीन बजे तक मतदान होगा। मतदान के ठीक बाद मतों की गिनती की जायेगी। श्री राव ने बताया कि मतदान को निष्पक्ष सम्पनन कराने के लिए मतदान स्थल पर सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। वहीं थानाध्यक्ष घूरपुर राजेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि प्रमुख चुनाव को देखते हुए डेढ़ सेक्शन पीएसी के साथ थाने की फोर्स व अतिरिक्त पुलिस बल की ब्यवस्था की गई है।

वातावरण की शुद्धता के लिए वृक्ष लगाएं

अखंड भारत संदेश

बहरिया। वातावरण की शुद्धता के लिए पौधों को लगाना अति आवश्यक है।इस समय पेड़ों की कटाई लगातार होने से वातावरण में शुद्धता कम होती जा रही है।ऑक्सीजन में कमी आ रही है।इस लिए प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए।कि कम से कम एक पेड़ लगाकर वातावरण को अशुद्ध होने से बचाए।ताकि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध वातावरण के माहौल में रह सकें। बृहदारण्यक वन क्षेत्र महोत्सव के योजना अंतर्गत बहरिया थाने में एसआई पुरुसोत्तम लाल की अध्यक्षता में पूरे प्रांगण में दर्जनभर पेड़ लगाए गये।

प्रदेश अराजकता के भंवरजाल मे, पंचायत चुनाव मे खुली गुंडई-रेवती

ब्लाक प्रमुख अध्यक्ष चुनाव में विरोधी को नामांकन तक नहीं करने दिया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। राज्यसभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने पंचायत अध्यक्ष चुनाव व ब्लाक प्रमुख अध्यक्ष चुनाव पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अपने 50साल के राजनैतिक जीवन में मैंने इतनी अराजकता व खुली गुंडई नहीं देखी है जो आज उत्तर प्रदेश में भाजपा की योगी सरकार मे देखने को मिला है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार जनता के मुहं पर ताला लगाकर और विरोधियों को डराकर तानाशाही शासन चला रही हैं विरोध मे बोलने वाले पर

मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है और विरोधियों के मकानों को जमींदोज कर रही हैं योगी सरकार यह दमनकारी नीति ज्यादा दिन तक चलने वाली नहीं है।सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अधिकार है चुनाव लड़ने का और अपने स्वतंत्र मताधिकार का लेकिन योगी सरकार मे सभी हदें पार करते हुए पंचायत चुनाव में प्रत्याशियों को नामांकन पत्र लेने से लेकर जमा करने तक पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में पुरुषों के साथ ही साथ महिलाओं के साथ भी जोर जबरजस्ती किया महिलाओं के कपड़ों तक नोचा यह लोकतंत्र के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है भाजपा ने आजादी के पहले की स्थिति बना दिया जाता जिसकी लाठी उसी की भैंस ।

सांसद ने पुलिस प्रशासन को अगाह किया कि वो किसी के इशारे पर काम ना करें उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा की शपथ ली है तो ईमानदारी से लोकतंत्र की चुनावीय प्रक्रिया को सम्पनन करायें एक पक्षीय ना हो। पूर्व सपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र खतरे में हैं देश तानाशाही की ओर जा रहा है इसलिए जनता अपने को सिर्फ 5किलो अनाज और 500रूपए मे ही संतुष्ट ना हो क्योंकि यह गरीबों किसानों को काहिल बनाने की चाल हैं आपकी शिक्षा छीनी जा रही हैं रोजगार धंधे छीने जा रहे हैं आपको अपाहिज और आश्रित बना दिया जा रहा है ताकि आप भगवान भरोसे रहों और गलत नीतियों का विरोध ना करो।

अर्धविक्षिप्त किशोरी के साथ दुष्कर्म के प्रयास के आरोपी के ख़िलाफ़ केस दर्ज

घूरपुर। क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार की दोपहर शौच को गई एक अर्धविक्षिप्त किशोरी के साथ दुष्कर्म के प्रयास की कोशिश करने के आरोपित अधेड़ के ख़िलाफ़ पुलिस केस दर्ज कर धरपकड़ में जुट गई है। आरोपित घर छोड़ भाग निकला है। घूरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की अर्धविक्षिप्त किशोरी यमुना की कछार की ओर गुरुवार की दोपहर शौच के लिए गई थी इसी बीच आरोपित विरवल गांव निवासी अधेड़ लगंड पंडित किशोरी को अकेले देख दुष्कर्म करने की नीयत से जमीन पर पटक जोर जबरदस्ती करने लगा । किशोरी ने शोर मचाया तो आस पास के मौजूद कुछ गांव के लड़के दौड़े तो आरोपी भाग निकला । कुछ देर बाद आरोपित को ग्रामीणों ने दबोच पिटाई करने लगे। लेकिन इस बीच वह बच भाग निकला।

भाजपा उम्मीदवार शैलेश यादव निर्विरोध ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर निर्वाचित जंघई घर पहुंचने पर जोरदार स्वागत

अखंड भारत संदेश

जंघई। प्रतापपुर क्षेत्र के झारी जंघई निवासी पूर्व प्रमुख शांति यादव के पुत्र शैलेश यादव प्रतापपुर ब्लॉक प्रमुख पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। सपा उम्मीदवार पिलखिनी बीडीसी राधा यादव द्वारा नाम वापसी के बाद शैलेश यादव को निर्विरोध निर्वाचित किया गया ।निर्विरोध निर्वाचित होने पर सभी ने शैलेश यादव को फूल माला पहनाकर स्वागत किया विजय यात्रा लेकर शैलेश यादव डीजे जूलस गाजे बाजे के साथ अपने घर झारी जंघई पहुंचे जहां जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर राजमनि यादव, विजय शर्मा, संजय बनकटा, आरती मुनन पांडेय, संदीप गुप्ता, राजू सिंह, राजा मौर्या, बबलू यादव, सोनू सिंह, राकेश पांडेय, दिलीप दुबे, नन्हे मिश्रा, अशोक पांडेय, अखिलेश सिंह, महावीर मिश्रा, मनीष केसरवानी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

माफिया के गैंग डी-44 के सक्रिय सदस्यों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्रर पुलिस ने शुक्रवार रात लवायन कला गांव के कुरिया मोड़ के समीप गैंगेस्टर एक्ट के वांछित एवं डी-44 गैंग के लीडर भू-माफिया दिलीप मिश्र के गैंग के सक्रिय सदस्य समेत दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों में से एक पर औद्योगिक थाने में कुल 27 मुकदमें पंजीकृत हैं। वहीं दूसरे पर पांच मामले दर्ज ह।

इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर एसआई नवीन कुमार सिंह, राहुल तोमर फोर्स संग घेराबंदी करके पूर्व ब्लाक प्रमुख चाका एवं भूमाफिया दिलीप मिश्र के गैंग डी-44 का सक्रिय सदस्य 22 मुकदमें समेत गैंगेस्टर एक्ट के वांछित आरोपी रवि उर्फ ठाकुर कोल निवासी लवायन कला व गैंगेस्टर एक्ट समेत पांच मामलों के आरोपी हौसला प्रसाद कोल उर्फ मौजी लाल निवासी लवायन कला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मुताबिक डी-44 गैंग के लीडर माफिया दिलीप मिश्र पर कार्रवाई के क्रम में इससे पहले भी करोड़ो रूपए कीमत की 12 संपत्ति, 12 असलहे के लाइसेंस का निरस्ती करण सहित अन्य कार्रवाई की गई है।

माफिया के कॉलेज से चोरी हुए उपकरण को पुलिस ने किया बरामद

तीन शातिर चोर गिरफ्तार, पुलिस ने किया चालान

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के लवायन कला गांव में चोरों के एक गिरोह ने मौका पाते ही माफिया दिलीप मिश्रा के कॉलेज से हजारों रुपए के उपकरण पर हाथ साफ कर फरार हो गए थे। पुलिस ने तीन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से समस्त चोरी के उपकरण को बरामद करने में सफलता प्राप्त होती है। सभी के खिलाफ पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान कर दिए।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह दलबल के साथ लवायन कला गांव के समीप सरस्वती हाईटेक सिटी में शुक्रवार भोर गश्त कर रहे थे। तभी तीन शातिर संदिग्ध हालत में कुछ उपकरण ले जाते हुए दिखाई पड़े। जिस पर पुलिस के जवानों ने दौड़कर सभी को गिरफ्तार कर औद्योगिक क्षेत्र थाने पर उठा लाए। पूछताछ के दौरान पकड़े गए तीनों शातिरों ने पुलिस को बताया कि लवायन कला

गांव निवासी पूर्व चाका ब्लाक प्रमुख एवं माफिया दिलीप मिश्रा जो वर्तमान में फतेहगढ़ जेल में बंद हैं। उनके सीज किए हुए कॉलेज माया देवी स्मारक स्कूल से बीते कुछ दिन पूर्व वह तीनों मौका पाते ही हजारों रुपए के उपकरण पर हाथ साफ कर फरार हो गए थे। शुक्रवार भोर में वह सभी उपकरण को बेचने की फिराक में लगे हुए थे। इससे पहले तीनों शातिर अपने मकसद में कामयाब हो पाते पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिए और उनके कब्जे से उक्त स्कूल से चोरी हुए समस्त उपकरणों को भी बरामद कर लिए। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए शातिर चोरों में लवायन कला गांव निवासी लकी उर्फ छटई पुत्र उमाशंकर तिवारी, सोनू उर्फ धनगू पुत्र ननकऊ व उमर बहादुर उर्फ बहादुर पुत्र बृजभान के कब्जे से चोरी किए गए उपकरणो? में एक एसी व आउटडोर, एक मानीटर, स्क्रीन, एक स्टैंड मानीटर, एक की बोर्ड, एक पावर कैबिल, तीन सिलिंग फैन, नौ पीस फैन ब्लेड और पांच अदद देशी बम बरामद किया गया है।

सभी आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान कर दिए। गिरफ्तार करने वाली टीम में स?डवा पुलिस चौकी प्रभारी नवीन कुमार सिंह, एसआई राहुल कुमार तोमर, बलिराम, मनोज कुमार, कांस्टेबल पंचदेव सिंह यादव व विकास कुमार शामिल रहे।

ब्लाक प्रमुख चुनाव में जोड़तोड़ का खेल जारी, मतदान आज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बीडीसी सदस्यों को अपने पक्ष में करने के लिए सभी सभी उम्मीदवार अपने दमखम लगाए हुए हैं। सूत्रों पर यदि यकीन करें तो कई जगहों पर बीडीसी सदस्यों को धमकाने और उनको नजर बन्द करने की भी खबरे आ रही है। शहर पश्चिमी के भागवतपुर ब्लाक प्रमुख सीट पर सपा और बीजेपी में कांटे की टक्कर है। ब्लाक प्रमुख की इस सीट से एक उम्मीदवार के खिलाफ एक बीडीसी के अपहरण करने के मामले में मुकदमा भी दर्ज हुआ है। सपा उम्मीदवार के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज होने से राजनीति भी गर्मा गई है। सपा उम्मीदवार सतीश चंद्र का कहना है कि चुनाव मैदान में उतरे एक उम्मीदवार के पति का माफ़िया और गैंगस्टर से सम्बन्ध हैं। उन्हीं के इशारे पर मेरे लोगों को डराया धमकाया जा रहा और जो अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है, वो भी दबाव बनाने के लिए किया गया है।

प्रयागराज में 23 ब्लाक है और 2083 बीडीसी सदस्य हैं। जो ब्लाक प्रमुख के लिए मतदान करेंगे, ऐसे में बीडीसी सदस्यों को अपने पक्ष में करने के लिए उम्मीदवार और सियासी पाटि्यां हर प्रकार का दमखम अपना रही है।

विद्युत समस्या को लेकर कांग्रेसियों ने किया उपखंड कार्यालय का घेराव, सौंपा मांग पत्र

अखंड भारत संदेश

नैनी। उमस भरी गर्मी में अधिक विद्युत कटौती और लो-वोल्टेज से लोगों का जीना दुभर हो गया है। युवा कांग्रेस नेता एंव प्रदेश महासचिव जितेंद्र तिवारी के नेतृत्व में शुक्रवार को विद्युत विभाग की ओर से समय से अधिक रोस्टिंग एवं लो-वोल्टेज के खिलाफ प्रदर्शन कर जल्द से जल्द समस्या को दुरस्त कराएं जाने की मांग करते हुए नैनी एवं 220 से रीवा रोड विद्युत उपखंड का घेराव किया। जितेंद्र तिवारी ने एसडीओ से मांग की है कि बिजली कटौती बंद हो, जहां लो वोल्टेज है। वहां ट्रांसफर्मर दुरुस्त हो, जर्जर तार बदले जाएं और समस से अधिक रोस्टिंग न की जाए। जिसपर एसडीओ ने आश्वसान दिया है कि एक हफ्ते में समस्या को सही कर लिया जाएगा। घेराव करने वालों में कांग्रेस के महामंत्री नयन कुशवाहा, सचिव अंजुम नाज, विकास सिंह, सहजादुल हक़, मोनू यादव, इन्द्रकांत शुक्ल, सत्यम सिंह, हर्षित सिंह, अलोक शुक्ल, अम्बुज ओझा, प्रियम मिश्रा, अभिनेष तिवारी, नरेंद्र यादव, संकल्प आदि मौजूद रहे।

बहरिया में ब्लॉक प्रमुख पद हेतु के 03 नामांकन दाखिल

अखंड भारत संदेश

बहरिया। क्षेत्र पंचायत प्रमुख बहरिया हेतु बृहस्पतिवार दोपहर में कुल 3 नामांकन पत्र दाखिल हुए भाजपा से शशांक मिश्रा सपा से नागेंद्र कुमार यादव तथा निर्दलीय योगेश पांडे ने अपने नामांकन दाखिल किए ब्लॉक गेट पर बहरिया थाने की पुलिस द्वारा जबरदस्त सुरक्षा व्यवस्था की गई

क्षेत्र पंचायत पद के भाजपा समर्थित उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल करने के बाद बाहर या बाजार में माने जाने बर्तन व्यवसाई हरीश चंद्र गुप्ता के आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करके बहरिया के क्षेत्र पंचायत के माध्यम से विकास संबंधी कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया और साथ ही साथ उन्होंने कहा सबका साथ सबका विकास करने का वादा किया। एमएलसी विधान परिषद् तेजतर्रार सदस्य सुरेंद्र चौधरी ने भाजपा प्रत्याशी शशांक मिश्रा की जीत पक्की बताई और उन्होंने कहा हमारे पक्ष में सभी क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं।

और सरकार के साथ मिलकर कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं?।कार्यक्रम में पूर्व कनिष्क ब्लाक प्रमुख रवि शुक्ला पूर्व जिला पंचायत सदस्य पुष्प राज साहू (अधिवक्ता)कमलेश पाल पूर्व महानगर अध्यक्ष नरसिंह संदीप दुबे पंकज श्रीवास्तव कमलेश भाई कार पुरुषोत्तम पांडे अशोक तिवारी योगेश तिवारी बच्चा तिवारी आदि भाजपा समर्थन के लोग मौजूद रहे।

घर का ताला तोड़कर चोरों ने 20 हजार नकदी समेत कीमती सामान किए पार

अखंड भारत संदेश

सहसों। जगबंधन पुर गांव में बीती रात सुनसान घर का मौका देकर अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर 20 हजार नकदी समेत कीमती सामान उठा ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों क्षेत्र के जगबंधन पुर गांव निवासी विमला देवी पतनै बिजली सिंह ने 7 जुलाई को अपनी बड़ी बेटी के साथ अपने मायके मीरापुर सहसों चली गई थीं। उसी रात सुनसान घर देख अज्ञात चोरों ने मौका पाकर घर के मुख्य द्वार के शटर का ताला तोड़कर घर के अंदर घुसे और घर में अन्य चार कमरों का भी ताला कुंडी तोड़कर घर में रखी अलमारी व बक्सा खोलकर 20 हजार रुपया नगदी सहित सोने की चूड़ी 2 नग, चांदी की बिछिया 6 जोड़ी, चांदी का पायजेब और महंगी साड़ी तथा लहंगा के अलावा गैस सिलेंडर, चूल्हा, इनवर्टर, बैटरा अज्ञात चोरों ने पार कर दिए। अगले दिन सुबह जब विमला देवी ने अपने मायके मीरापुर से अपने घर जगबंधन पुर पहुंची तो घर की हालत देखकर उनके होश उड़ गए और जोर जोर से चिल्लाने लगी। विमला देवी की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी वहां इकट्ठा हो गए विमला देवी के पति कमाने खाने की वजह से बाहर रहते हैं। सूचना होने पर 112 नंबर पीआरबी पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर वापस चली गई। फिलहाल भुक्तभोगी विमला देवी ने इसकी अज्ञात चोरों के विरुद्ध लिखित तहरीर संबंधित पुलिस को उचित कार्यवाही हेतु दे दी है।

मंत्री नन्दी ने विकास कार्यों, कोविड की संभावित तीसरी लहर से निपटने की तैयारियों की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नागरिक उड्डयन, राजनैतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग श्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी शुक्रवार को सर्किट हाउस के सभागार में प्रयागराज के विकास कार्यों, कोविड की संभावित तीसरी लहर से निपटने की तैयारियों, लम्बित कार्यों एवं जन शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की।

उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी एवं मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य से कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों के बारे में जानकारी ली, जिसपर उन्हें बताया गया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पतालों में बेड़ों की संख्या को बढ़ाया गया है। ऑक्सीजन की कोई कमी न हो, इसके लिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। मा0 मंत्री जी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड से निपटने के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में दवाओं एवं ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मंत्री ने संचारी रोगों की रोकथाम के लिए माइक्रोप्लान बनाने के लिए कहा साथ ही एंटी लार्वा का छिड़काव रोस्टर के अनुसार कराने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिये। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शहर में कूड़े का ढे.र कहीं पर भी नहीं दिखना चाहिए। पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारियों को लगाकर नियमित रूप से सफाई का कार्य कराया जाय साथ इन

कमिन्यों की लगातार मानीटरिंग भी की जाये। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य शेष बचे वार्डों में भी जल्द से जल्द शुरू कराया जाये।

बैठक में स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा करते हुए मा0 मंत्री जी ने स्मार्ट सिटी से जुड़े हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां पर भी कार्य कराया जा रहा है, वहां पर निकलने वाले मलवे को रोड़ पर न छोड़े, मलवे का सही तरीके से निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। कार्यदायी संस्थाओं के अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष कार्य कम पाये जाने पर नाराजगी जताते हुए मा0 मंत्री जी कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जमीन पर स्मार्ट सिटी का कार्य दिखना चाहिए। विद्युत विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए विद्युत कटौती, ट्रांसफार्मर बदलने में लगने वाले समय, बिल की गड़बड़ी की शिकायत पर मंत्री ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों का ससमय निस्तारण करना सुनिश्चित करें। मा0 मंत्री जी ने जनपद में तहसीलों में लम्बित शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण ढंग से समय से निस्तारण करवानें के लिए जिलाधिकारी को कहा है। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मा0 मंत्री जी ने चालान की कार्यवाही करते समय पुलिस द्वारा लोगो के साथ पूरी शालीनता बरती जाये। गम्भीर प्रकरणों पर पुलिस अधिकारी स्वयं से उनका परिवेक्षण करें साथ ही शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग की जाये, जिससे लोगो के अंदर विश्वास की भावना बढ़े। उन्होंने लम्बित विवेचनाओं को तेजी के साथ निस्तारित करने के लिए कहा है। थानों में एफआईआर न लिखे जाने की शिकायत प्राप्त होने पर पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एफआईआर दर्ज करने में किसी प्रकार की हीलाहवाली न की जाये। मा0 मंत्री जी ने जिलाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि वरासत दर्ज करने में आ रही।

भाजपा सरकार में महंगाई चरम सीमा पर- प्रो अमर नाथ

अखंड भारत संदेश

करछना। भाजपा की करनी कथनी में अन्तर मंहगाई व बेरोजगारी रोकने मे असफल प्.ोफेसर अमरनाथ मिश्र आज संगठन मजबूती केलिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्.ोफेसर अमरनाथ मिश्र के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं व लोगों से मुलाकात कर संगठन मजबूती के लिए चर्चा किया अपना वकतव्य देने वालो में शिव बिजय सिंह रंग राज सिंह डा दिनेश कुमार सोनी प्.कास पाण्डेय एडो प्.भात तिवारी जी आशीष कुमार मिश्र राजेश तिवारी, सुरेश कुमार पटेल पनय रंजन भट्टाचार्य एडवोकेट आदि मौजू रहे।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

असिस्टेंट प्रोफेसर की पूर्व प्रेमिका का इविवि में फिर हंगामा, मांगा गया स्पष्टीकरण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डाक्टर विक्रम की पूर्व प्रेमिका ने फिर इविवि पहुंचकर हंगामा किया। कुलपति कार्यालय और रजिस्ट्रार के दफ्तर में हंगामे के बाद विभाग में भी पहुंचकर अभद्र व्यवहार किया।रजिस्ट्रार प्रोफेसर एनके शुक्ल ने नोटिस भेजकर 24 घंटे में स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है। साथ ही महिला

शिकायत प्रकोष्ठ (सी-कैश) की चेयरपर्सन प्रोफेसर चंदा देवी ने भी नोटिस जारी किया है। यह मामला विश्वविद्यालय में चर्चा में बना रहा। इस महिला ने कुछ समय पहले भी विश्वविद्यालय आकर इसी तरह से बखेड़ा किया था साथ ही मीडिया में भी बयानबाजी की थी जिसकी वजह से वह मामला सुखियों में आ गया था।

इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए प्रयागराज के भारतेन्द्र त्रिपाठी करेंगे काव्य पाठ

अखंड भारत संदेश

सहसों। प्रयागराज के युवा कवि भारतेन्द्र त्रिपाठी लगातार 150 घंटे से अधिक चलने वाले वर्चुअल काव्य सम्मेलन में शामिल होकर काव्य पाठ करेंगे। ध्यान देने योग्य यह भी है कि साहित्यिक संस्था 'बुलंदीःसाहित्य ए कलम' उत्तराखंड के तत्वावधान में आयोजित इस कवि सम्मेलन को इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड में सम्मिलित किया जायेगा।11 जुलाई से 16 जुलाई तक विश्व के सबसे लम्बे समय तक चलने वाले इस महा कवि सम्मेलन में भारत के विभिनन्प्रांतों के अलावा विदेशों से भी 600 से अधिक कवि/ कवयित्रियों को निमंत्रण पत्र भेजा गया है। जिनमें बेल्जियम, कनाडा,

अमेरिका, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, जर्मनी, सऊदी अरब, मलेशिया, मारीशस, आदि देशों के कवि शामिल हैं।संस्था के संस्थापक/अध्यक्ष बादल बाजपुरी और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश शर्मा ने भारतेन्द्र त्रिपाठी को निमंत्रण पत्र भेजकर इस महा कवि सम्मेलन में आमंत्रित किया है।

मूल रूप से विकासखंड सहसों के ग्राम सभा देवनहरी फूलपुर के निवासी पेशे से शिक्षक भारतेन्द्र त्रिपाठी की रचनाएं देश विदेश के समाचार पत्रों व पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही हैं। भारतेन्द्र त्रिपाठी वर्तमान में अपनी रचनाओं व लेखन शैली के माध्यम से पाठकों में लोकप्रिय हुए हैं काव्य रचना के अलावा उनकी कहानियां भी काफी चर्चित हुई है।

धुमनगंज में पकड़े गये शतिर चोर

प्रयागराज। थाना धूमनगंज पुलिस द्वारा चोरी के मुकदमे से सम्बन्धित 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर कब्जे से हथौड़ी, 01 पेचकश, 01 लोहे की पाइप, 01 लोहे का रम्भा, 01 लोहे की राड, 01 पेचकशनुमा मुड़ा हुआ छड़ व 2000 रुपये बरामद किये गये।

सम्पादकीय

फिल्मों पर यह कैसा पहरा?

सिनेमेटोग्रफी (संशोधन) विधेयक, 2021 के जरिये सरकार उससे भी आगे जाकर फिल्म बनाने वालों की आजादी पर अंकुश लगाना चाहती है। इतना ही नहीं, सेक्शन 6 सरकार को यह अधिकार भी देता है कि वह 'जनहित' में कोई जानकारी या सूचना रोकने का भी फैसला कर सकती है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सिनेमेटोग्रफी (संशोधन) विधेयक, 2021 का मसौदा पेश किया है, जिसे लेकर अच्छा-खासा विवाद खड़ा हो गया है। सरकार का दावा है कि इस विधेयक से पाइरेसी रुकेगी, जबकि फिल्म इंडस्ट्री का कहना है कि अगर यह विधेयक कानून बना तो इस देश में लोग क्या देखेंगे और क्या नहीं, यह सरकार ही तय करेगी।

संशोधन विधेयक के मसौदे की जिस शर्त को लेकर (सेक्शन 6) सबसे अधिक विवाद है, वह कहती है कि किसी भी आने वाली फिल्म पर सरकार का फैसला अंतिम होगा, भले ही उसे पहले सेंसर बोर्ड या अपीलेट ट्रिब्यूनल से मंजूरी मिल चुकी हो। यह भी बताते चलें कि अपीलेट ट्रिब्यूनल को भंग किया जा चुका है और इस विधेयक के कानून बनने से सेंसर बोर्ड भी बस नाम का ही रह जाएगा। यूं भी सरकारें सेंसर बोर्ड में राजनीतिक नियुक्तियां करती आई हैं और उसके जरिये फिल्मों के कंटेंट को नियंत्रित करने की कोशिशें होती आई हैं। सिनेमेटोग्रफी (संशोधन) विधेयक, 2021 के जरिये सरकार उससे भी आगे जाकर फिल्म बनाने वालों की आजादी पर अंकुश लगाना चाहती है। इतना ही नहीं, सेक्शन 6 सरकार को यह अधिकार भी देता है कि वह 'जनहित' में कोई जानकारी या सूचना रोकने का भी फैसला कर सकती है। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोविजन को सुप्रीम कोर्ट साल 2000 में एक केस में असंवैधानिक घोषित कर चुका है। अदालत ने तब कहा था कि अगर ट्रिब्यूनल जैसी किसी अर्ध-न्यायिक संस्था ने कोई फैसला लिया है तो उसमें संशोधन या उसे बदलने की इजाजत सरकार को नहीं दी जा सकती। हैरानी की बात है कि इसके बावजूद इस सेक्शन को विधेयक में शामिल किया गया है। इसके लिए यह तर्क दिया जा रहा है कि कई बार किसी फिल्म को मंजूरी देने में तय दिशानिर्देशों यानी सेक्शन 5बी के उल्लंघन की शिकायत मिलती है। प्रस्तावित विधेयक के कानून बनने पर सरकार उस फिल्म की फिर से समीक्षा का निर्देश दे सकती है। सरकार का इशारा यहां फिल्म से कानून-व्यवस्था के प्रभावित होने को लेकर है, लेकिन शीर्ष अदालत इसे भी पहले खारिज कर चुकी है। कई मामलों में उसका मानना रहा है कि प्रदर्शन की धमकी या हिंसा के डर के कारण फिल्म सर्टिफिकेशन में दखल देना ठीक नहीं है। यह कानून-व्यवस्था की समस्या है और सरकार को इससे वैसे ही निपटना चाहिए। यूं भी इस तरह की बंदिशें भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए मुनासिब नहीं हैं।

आखिर इस फेरबदल का हासिल क्या रहा

नरेंद्र नाथ

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी टीम में अब तक का सबसे बड़ा फेरदबल किया। उनके दूसरे टर्म के दो साल से ज्यादा गुजर चुके हैं। 2014 से अब तक देश की राजनीति में एकतरफा प्रभुत्व जमाए चल रही बीजेपी की अगुआई वाली केंद्र सरकार को पिछले कुछ समय से कई मोर्चे पर जूझना पड़ रहा है। बीजेपी और सरकार को पहली बार अहसास हुआ कि अब कई स्तरों पर ऐसे सवाल उठ रहे हैं, जिनके जवाब दिए बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता। सरकार के सात साल पूरे होने पर आए तमाम ओपीनियन पोल में यह बात सामने आई कि सरकार की लोकप्रियता भले बनी हुई है लेकिन लोगों में कई मुद्दों पर बेचैनी बढ़ी है और अगर उसे कम करने की कोशिश अभी नहीं की गई तो आगे की राह कठिन हो सकती है। कहा गया कि कमजोर विपक्ष के कारण सरकार कई मसलों पर आम लोगों के आक्रोश से बच गई लेकिन ऐसा लंबे समय तक नहीं चल सकता। इसीलिए वक्त पर फैसला लेने में विश्वास करने वाले पीएम नरेंद्र मोदी ने 43 नए मंत्रियों को अपनी टीम में शामिल कर एक साथ इन तमाम मोर्चों को साधने की कोशिश की। उनके तीर निस्संदेह नुकीले हैं, लेकिन वे निशाने पर लगे या नहीं, यह स्पष्ट होने में थोड़ा वक्त लगेगा। केंद्र की सत्ता में सात साल पूरे होने के बाद भी ब्रांड मोदी की चमक तो बनी रही लेकिन मंत्रियों के कामकाज पर सवाल उठने लगे। ऐसी आम राय बनी कि पीएम मोदी काम करना चाहते हैं लेकिन उनके मंत्री उस गति से नहीं चल पा रहे। इसी वजह से गर्वनेंस या नीतियों को अमल में लाने में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल रही। सूत्रों के अनुसार बीजेपी के दर्जनों सांसदों ने शिकायत की कि मंत्री उनकी बात नहीं सुनते, क्षेत्र में काम नहीं करते और उनके कारण सरकार की किरकिरी हो रही है। उधर पीएम मोदी अपने स्तर पर भी मंत्रियों के बारे में फीडबैक लेते रहे। कोरोना ने रही-सही कसर भी पूरी कर दी। दूसरी लहर के बाद तो पीएम मोदी के नेतृत्व पर भी सवाल खड़े होने लगे। कुल मिलाकर सरकार ऐसे मोड़ पर आ गई जहां से चीजें उलझी नजर आ रही थीं।

दूसरे टर्म में नीतिगत फैसलों के प्रभावी तरीके से लागू नहीं होने से भी पीएमओ चिंतित था। खुद मोदी ने मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान महत्वपूर्ण प्रॉजेक्ट्स में दिख रही सुस्ती पर नाराजगी जताई। हालांकि दूसरे टर्म की शुरुआत मोदी सरकार ने आक्रामक तरीके से की थी। अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के

साथ-साथ नागरिकता संशोधन कानून पास किया गया। लेकिन बाद में इन्हीं मसलों को लेकर वैश्विक स्तर पर सवाल भी उठे। अभी पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया कंपनियों से सरकार का टकराव सुखियों में रहा। सरकार इन विवादों को दूर कर आगे बढ़ना चाहती है। सरकार को यह भी पता है कि दो साल में अगर आर्थिक मोर्चे पर चीजें ठीक नहीं हुई तो 2024 आम चुनाव में यह बड़ा मुद्दा बन सकता है। आर्थिक सुस्ती के बीच महंगाई, पेट्रोल-डीजल की कीमतें अभी से मुद्दा बन रही हैं। किसान आंदोलन भी सरकार की मुसीबत का कारण बना हुआ है। इनके बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली हार राजनीतिक मोर्चे पर झटका साबित हुई। बहरहाल, सरकार से जुड़े लोगों का दावा है कि अभी बहुत वक्त है और पीएम मोदी अपनी टीम के साथ चीजों को पटरी पर लाने का माद्दा रखते हैं। उनके मुताबिक अगले कुछ दिनों में बदलाव के नतीजे जमीन पर दिखने भी लगेंगे। पूरे फेरदबल में पीएम मोदी की शैली पर 'सीएम मोदी' का भी असर दिखा है। गुजरात में बतौर सीएम मोदी एंटी इनकंबेसी को काउंटर करने के लिए समय-समय पर बड़ा बदलाव कर चौंकाते रहते थे। मंत्रिमंडल में नए चेहरे को लाने के साथ चुनाव में पुराने लोगों का टिकट काटने की शैली वह वहां सफलतापूर्वक अपना चुके हैं। बुधवार के कैबिनेट फेरबदल पर गौर करें तो 2021 में नरेंद्र मोदी फिर से गुजरात मॉडल पर लौटते दिख रहे हैं जहां वह चुनाव-दर-चुनाव न सिर्फ जीतते रहे बल्कि मजबूत भी होते गए थे। गुजरात में नरेंद्र मोदी की शैली थी कि वह विधानसभा चुनाव में कई विधायकों के टिकट काट देते थे। सरकार में नियमित अंतराल पर बड़ा बदलाव करते थे। इससे वह लोकल एमएलए के खिलाफ या उनके सरकार के खिलफ उपजे एंटी इनकंबेंसी को पूरी तरह काउंटर कर देते थे। इस हिसाब से 2024 के मद्देनजर बीजेपी के सासदों को अपनी सीट की चिंता अभी से करनी चाहिए।

उनका एक और आजमाया हुआ नुस्खा रहा है सरकार में पूर्व ब्यूरोक्रेटस को जगह देना। लगभग 13 वर्षों के दौरान बतौर सीएम नरेंद्र मोदी गुजरात में अपने विकास का अजेंडा पूरा करने के लिए ब्यूरोक्रेसी पर ही निर्भर रहे हैं। चाहे वायब्रेंट गुजरात हो या रेड टेप कल्चर को रेड कारपेट वेलकम में बदलने की उनकी मुहिम, यह तथ्य स्थापित होता रहा है कि ब्यूरोक्रेट्स उनके बेहद करीब होकर काम करते हैं। वही आजमाया हुआ नुस्खा मोदी ने अपने पहले टर्म में दिल्ली में जारी रखा और दूसरे टर्म में भी उस पर चलते रहने के संकेत दे दिए हैं। पीएम मोदी ने पहली बार सांसद बने 50 वर्षीय अश्विनी वैष्णव को बहुत महत्वपूर्ण मंत्रालय दिया। टीम में पहले से ही हरदीप पुरी, जयशंकर और आर के सिंह बेहद अहम भूमिका में हैं जो पूर्व ब्यूरोक्रेट्स रहे हैं। इसी तरह हरियाणा के पूर्व ब्यूरोक्रेट सुनीता दुग्गल को भी सरकार में जगह दी गई। लेकिन कुल मिलाकर देखा जाए तो यह सब एक शुरुआत भर है। अगर सरकार-बीजेपी को अपन दबदबा फिर से पाना है तो उसे अभी कई कोर्स करने पड़ सकते हैं।

गरीब कल्याण में भ्रष्टाचार की बाधा

राजेन्द्र बंधु

भारत सरकार द्वारा लागू गरीब कल्याण योजना सिर्फ गरीबों का ही पेट नहीं भर रही है, बल्कि यह कुछ लोगों की अमीरी भी बढ़ा रही है। देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त् अनाज देने की इस विशाल योजना ने कुछ लोगों के लिए आपदा में अवसर के द्वार खोल दिए है। इस बात का अंदाजा मध्यप्रदेश के इन्दौर के हितग्राहियों से जाना जा सकता है, जिन्हें राशन वितरक द्वारा एक क्विंटल अनाज पर 20 किलोग्राम अनाज काटकर 80 किलोग्राम अनाज दिया गया है। हालांकि उनके पास अनाज के एक अदद बोरे और आंखों देखे हाल के अलावा इसका कोई और सबूत नहीं हैं। इस दशा में वे मानते हैं कि जिन्दगी की जद्दोजहद में जो मिल गया वो ही ठीक है। सोचा जा सकता है कि एक वितरण केन्द्र के हजारों परिवारों से औसतन बीस किलोग्राम अनाज को मिलाकर कुल कितना अनाज होता है और यह अनाज कहां जा रहा है? लाकडाउन और कोविड–19 के कारण समाज के आर्थिक रूप से कमजोर तबकों को इस वर्ष दीपावली तक निःशुल्क अनाज देने की प्रधानमंत्री की घोषणा वास्तव में महत्वपूर्ण है। संभवतया यह अब तक की सबसे बड़ी योजना है, जिसमें देश की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी की खाद्य सुरक्षा शामिल है। सरकार की नियत और नीति चाहे कितनी ही दुरूस्त क्यों न हो, लेकिन जमीनी स्तर पर इसे क्रियान्वित करने वाले तंत्र के दुरूस्त न होने से सरकारी योजनाएं वास्तविक हितग्राहियों तक नहीं पहुंच पाती है। दरअसल खाद्यान्न जैसी योजना में इस तरह की अनियमितता और घोटालों की संभावना ज्यादा होती है। क्योंकि इस योजना के हितग्राही सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर है तथा जीवन जीने के संघर्ष में वे अधिकारों की लड़ाई को प्राथमिकता नहीं दे पाते। वे शिकायत, जांच और बयान देने जैसी प्रक्रियाओं से दूर रहना बेहतर समझते है। इसके बावजूद यदि कोई शिकायत भी करना चाहे तो उसके पास अपनी बात को साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं होते। जबकि भ्रष्टाचार करने वालों का आपसी तानाबाना मजबूत होता है और वे प्रशासन से लेकर राजनेताओं तक पहुंच रखते हैं। साथ ही इसमें घोटाले की मात्रा प्रति हितग्राही बीस किलोग्राम तक है, जो शायद किसी को मामूली लग सकती है, किन्तु हितग्राहियों की संख्या इतनी ज्यादा होती है कि बीस किलोग्राम का घोटाला आसानी से करोड़ों रूपए तक पहुंच जाता है।

गौरतलब है कि गरीब कल्याण योजना में 201 लाख टन अनाज गरीब व्यक्तियों तक मुफ्त में पहुंचाया जाएगा। किन्तु मौजूदा स्थिति को देखते हुए इसमें कम से कम 40 लाख टन अनाज घोटले की चपेट में आ सकता है। क्योंकि हमारे यहां राशन घोटाले का इतिहास बहुत पुराना है और यह अब भी विभिन्न तरीकों और रूपों में जारी है। इसी वर्ष जनवरी में ही मध्यप्रदेश के इन्दौर जिले में बड़ा राशन घोटाला सामने आया था, जिसमें 51 हजार हितग्राहियों के हिस्से का राशन गबन किया गया था। इसी तरह मध्यप्रदेश के रीवा जिले के बौसड़ नामक स्थान पर सेल्समैन ने गांव-गांव जाकर राशनकार्डधारी लोगों के बायोमेट्रिक निशान लिए और कहा कि कोरोना के कारण लॉकडाउन में तीन महीने का राशन मिलेगा। बाद में पता चला कि सेल्समेन ने गरीबों के हिस्से का तीन माह का लगभग 200 क्विंटल राशन दुकानदारों को बेच दिया। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में सरकार द्वारा गरीब परिवारों को 10 किलोग्राम आटे के 70 लाख पैकेट वितरित किए गए। किन्तु आटे के प्रत्यैक पैकेट में 2 किलोग्राम कम आटा था। यानी कुल मिलकर 2 करोड़ रूपए की कीमत का आटा कहां गया, पता ही नहीं चला। राशन घोटाला किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि अब इसका सर्वव्यापी रूप सामने आने लगा है। पिछले दिनों उत्तरप्रदेश के 34 जिलों में राशन घोटाला सामने आया था। यहां एसटीएफ ने खाद्य आयुक्त कार्यालय में राशन वितरण के दस्तावेजों की पड़ताल की तो पता चला कि एक ही आधार कार्ड संख्या का इस्तेमाल एक महीने में कई-कई बार किया गया था। दुकानदार लाभार्थी के राशन कार्ड आईडी के सापेक्ष उनका आधार कार्ड नंबर डाल कर ई-पाश मशीन पर अंगूठा लगवा कर उनके नाम पर राशन निकल लेते थे।

दलाई लामा के बाद कौन, यह है बड़ी बात

चंद्रभूषण

86 साल के दलाई लामा अभी किसी को राजनीतिक या कूटनीतिक चुनौती देने की स्थिति में नहीं हैं। जब वे इस स्थिति में थे, तब भी उनकी कार्यशैली चुनौती देने वाली नहीं थी। अभी भारतीय प्रधानमंत्री ने उनके जन्मदिन पर उन्हें शुभकामना दी और इस सूचना को ट्वीट भी किया तो इसे बड़ी कूटनीतिक पहल के रूप में लिया गया। कहा गया कि किसी और भारतीय प्रधानमंत्री ने कभी सार्वजनिक रूप से दलाई लामा को शुभकामना नहीं दी थी। लेकिन यह कहते हुए कम लोगों को याद रहता है कि मौजूदा प्रधानमंत्री को भी सत्ता में आए आठवां साल चल रहा है। उन्होंने न केवल स्वयं पहले अपनी ऐसी किसी पहल को सार्वजनिक नहीं किया, बल्कि 2018 में बाकायदा अपने मंत्रियों और अधिकारियों को ताईद की थी कि वे भी ऐसा कोई दिखावा न करें। भारत आधिकारिक रूप से तिब्बत को चीनी लोक गणराज्य का अंग मानता है। उसकी भूमिका चीन के एक निर्वासित, असंतुष्ट धार्मिक-राजनीतिक नेता और उनके अनुयायियों को शरण देने तक सीमित है। भारत में वे हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला शहर से अपनी निर्वासित संसद और सरकार चलाते हैं, लेकिन भारत सरकार ऐसी गतिविधियों के सक्रिय समर्थन में खड़ी नहीं दिखना चाहती। कम से कम पिछले साल के प्रथमार्ध तक यही स्थिति रही। 15 जून 2020 को लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर खून बहा, हालांकि गोलियां नहीं चलीं। यह युद्ध और शांति के बीच की स्थिति है, लिहाजा बहुतेरी राजनयिक प्रतिबद्धताएं हिल-डुल स्थिति में हैं। भारतीय प्रधानमंत्री का दलाई लामा के लिए जन्मदिन शुभकामना ज्ञापन इस बदलाव को ही जाहिर करता है।

कुछ लोगों का आग्रह है कि इस हिल-डुल स्थिति की छाप दलाई लामा और भारत स्थित तिब्बतियों के व्यवहार में भी दिखनी चाहिए और चीन की जोर-जबर्दस्ती के खिलाफ उन्हें कुछ तो बोलना चाहिए। यह वाकई टेढ़ा मामला है। तिब्बत में चीन सरकार तिब्बतियों की फौजी भर्ती करके सीमावर्ती क्षेत्रों में उनकी बहुलता वाली पलटनें लगाने में जुटी है। इसके अलावा तिब्बतियों की दो और प्रतिरक्षा पंक्तियां खड़ी करने की पहल चीन द्वारा ली जा रही है। एक, हल्की सैनिक ट्रेनिंग वाली जन मिलिशिया खड़ी करना और दूसरी दुर्गम सीमा क्षेत्रों में घुमंतू चरवाहों के गांव बसाना, जिनका काम वास्तविक नियंत्रण रेखा पर छोटे से छोटे बदलाव पर नजर रखना है। भारत ने चकराता (उत्तराखंड) में तिब्बतियों की जो टूटू रेजिमेंट खड़ी थी, उसने पिछले साल स्पेशल फ्रंटियर फोर्स के रूप में पैंगोंग त्सो के दक्षिणी हिस्से में अपना कमाल दिखा दिया था। जाहिर है, भारत-चीन टकराव की मौजूदा स्थिति में तिब्बती बनाम तिब्बती जैसे किसी दृश्य से चीन पर बना दबाव बढ़ने के बजाय कुछ कम ही होगा। हमारा परिचय निर्वासित तिब्बतियों से है, लेकिन जरूरत तिब्बत में रह रहे तिब्बतियों की मानसिकता समझने की है। असली लड़ाई उन्हीं

की है, जो तिब्बत से बाहर चले आए उनकी नहीं। दलाई लामा की राय हमेशा से इस लड़ाई को मध्यमार्ग के जरिये लड़ने की रही है। अपनी इस राय पर अडिग रहने के लिए उन्होंने अपने बड़े भाई ग्यालो थोंडुप तक से दूरी बना ली, जो तिब्बत की आजादी के लिए सारे तिब्बतियों में सबसे ज्यादा सक्रिय रहे और इसमें सीआईए का सक्रिय सहयोग मिलने की बात भी बाकायदा किताब लिखकर स्वीकार की।

दलाई लामा अपनी लड़ाई को सांस्कृतिक स्वायत्तता की मांग तक सीमित रखते हैं, जिस पर निर्वासित तिब्बतियों की नई पीढ़ी दबे ढंग से उनके प्रति नाराजगी भी जताती रही है। लेकिन दलाई लामा को गांधी का आध्यात्मिक बेटा यूं ही नहीं कहा जाता। निर्वासित तिब्बतियों में तिब्बत पर चीन के आधिपत्य को लेकर कई धाराएं पहले दिन से ही मौजूद रही हैं। इसके खिलाफ ठेठ पूर्वी खाम इलाके में, फिर दक्षिणी तिब्बत में कई जगहों पर हथियारबंद लड़ाई 1956 से ही शुरू हो गई थी। मार्च 1959 में ल्हासा से नेफा तक पहुंचने में दलाई लामा और उनके साथियों को लगभग एक पखवाड़ा लगा था। आठ साल से तिब्बत में तंबू गाड़कर बैठी चीनी फौज इतने दिनों में उन्हें रोक नहीं पाई तो इसका कारण यही था कि जिन इलाकों से होकर वे आगे बढ़ रहे थे, वे तिब्बती विद्रोहियों के कब्जे में थे और खुद ल्हासा में निहत्थे आम लोग फौजी बंदूकों का सामना कर रहे थे। द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर अब तक दुनिया में न जाने कितने सशस्त्र विद्रोह पूरी तरह कुचल दिए गए और समय के साथ उनके मुद्दे भी हवा में उड़ गए। लेकिन तिब्बत का मुद्दा आज भी दुनिया के लिए मौजूं बना हुआ है तो इसकी अकेली वजह यह है कि उसे दलाई लामा का नेतृत्व हासिल है।

हम इस बात से वाकिफ नहीं हैं कि निर्वासित तिब्बतियों में कितनी तरह के क्षेत्रीय और सांप्रदायिक टकराव मौजूद हैं। तिब्बती बौद्ध धर्म के चार संप्रदायों में सैकड़ों साल से आपसी लड़ाइयां चल रही हैं और वे हाल तक जाहिर होती रही हैं। पूर्वी तिब्बत का लड़ाकू खाम इलाका खुद को लंबे समय से ल्हासा के आधिपत्य से मुक्त मानता आया है। लेकिन दलाई लामा के प्रभाव में ये सारे टकराव इतने मंद पड़ गए हैं कि बाहरी लोग उनके बारे में नहीं जानते और निर्वासित तिब्बती संसद में हर खेमा तिब्बत की आजादी या स्वायत्तता के साझा मुद्दे पर एकजुट दिखता है। इस लड़ाई को ज्यादा उग्र बनाने पर भीतरी टकराव उभर आने का भी खतरा है। अभी, दलाई लामा के 86 पार करने पर निर्वासित तिब्बतियों के बीच इस बात को लेकर भी बातचीत जारी है कि दलाई लामा के बाद उनकी लड़ाई कैसे आगे बढ़ेगी। इसमें एक पहलू उनके उत्तराधिकार का है, जिस पर अमेरिका ने अपने यहां कानून पारित कर रखा है और चीन के बाहर पूरी दुनिया में इस पर सहमति है कि यह मसला तिब्बतियों को ही तय करने दिया जाना चाहिए। खुद चीन का कहना है कि किसी भी बड़े लामा का अवतार चीन सरकार की मोहर के बिना सत्यापित नहीं होता। लेकिन अंततः यह एक धार्मिक मसला है। कल को चीनी अपनी मोहर वाला 15वां दलाई लामा खड़ा भी कर देंगे तो कोई तिब्बती उसे पूजने नहीं जाएगा। बहरहाल, निर्वासित तिब्बतियों के लिए चिंता इससे आगे की है। 14वें दलाई लामा के बाद वे अपनी मर्जी का दलाई लामा तो चुन लेंगे, लेकिन उसके मजबूत होने तक तिब्बतियों का प्रतिनिधित्व कैसे होगा? निर्वासित तिब्बती संसद और खासकर प्रधानमंत्री पेनपा त्सेरिंग को अब इस पहलू पर ज्यादा काम करना चाहिए।

सबसे सस्ते और बिकाऊ हम नालायक हिन्दू ही हैं...

सुरेश तिवारी

गरीब तो रोहिंग्या और बाँग्लादेशी भी हैं किन्तु मजाल है कि कोई भी रुपये या नौकरी का लोभ देकर उनका धर्म परिवर्तन करवा ले ? बाकी मुस्लिमों में भी सैकड़ों समुदाय और उप समुदाय हैं जिनमें आज भी आपस में रोटी-बेटी के सम्बन्ध नहीं हैं। उनमें बहुत से अतिगरीब और अति पिछड़े वर्ग के हैं परन्तु हमने कभी यह नहीं सुना कि लोग किसी लालच या गरीबी के चलते या फलां मौलवी या फलां नेता से नाराज होकर अपना धर्म बदल रहे होपरन्तु अनन्त सुविधाएं और तुष्टिकरण का सुख भोगने वाले तथाकथित दलित, शोषित अथवा वंचित हिन्दू, जब उन्हें जरा भी असुविधा या तकलीफ़ हुयी या उनकी मनमानी नहीं चल पाई या किसी नेता से नाराज हो गये तो बस यही धमकी मिलती है कि धर्म बदल लेंगेष्ठजैसे धर्म न होकर शर्ट या पैन्ट होष्ठ. बहुत सारे हिन्दू तो 72 हूरों की लालच में, नौकरी, चन्द रुपयों या गोरी मेम से शादी के चक्कर में अपना धर्म बदलने को तैयार हो जाते हैं। कुछ अधम तो किसी मुस्लिम कन्या से शादी या एक से अधिक बीबियों का सुख भोगने के चक्कर में धर्म बदल लेते हैं। तात्पर्य यह कि सबसे ज्यादा सस्ते और बिकाऊ कौम हम नालायक हिन्दू ही हैंष्ठ हिन्दू धर्म सबसे खुला और लचीला धर्म होने के बाद भी लोगों को अन्य धर्मों में ऐसा खास क्या नजर आ जाता है जो उन्हें धर्मान्तरण को प्रेरित करता है, हमारी समझ से तो परे है। पर जो एकबार मुसलमान बन गया उसका धर्मान्तरण प्रैक्टिकली असम्भव हो जाता है क्योंकि मुसलमान लोग उसे धर्म बदलने ही नहीं देते..नहीं मानेंगे तो मौतष्ठइस्लाम की ताकत ही उनकी तलवार है जिसके जोर पर 56 से ज्यादा भूखंडो में उनका शरिया चलता है.. लोग जानते हैं कि अल्लाहू अकबर के साथ नहीं झुकेंगे तो पीछे एक तलवार खिंची हुई होगी। जबकि हिन्दू धर्म एक आवश्यकता से ज्यादा लचीला धर्म है.और लोगों को विश्वास है कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ेगा भले वे चाहे जो करेंष्ठऔर यही हिन्दू धर्म की सबसे बड़ी कमजोरी हैष्ठ. क्योंकि हिन्दू अपने जयचंदो को अन्य धर्मावलंबियों की तरह सजाये मौत नहीं देते..इसी लिये यह प्रजाति दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ती जा रही है।

जगत प्रकाश नडा ने शिमला पहुंच कर वीरभद्र सिंह के आखिरी दर्शन किये

विजेंदर शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के राष्टरीय अध्यक्ष नडडा दिल्ली से अनाडेल मैदान में उतरे जहां सीएम जय राम ठाकुर व अन्य नेताओं के साथ रिज मैदान पर पहुंचे वीरभद्र सिंह की पार्थिव देह को अंतिम दर्शनों के लिये हाली लाज से रिज मैदान लाया गया है पूर्व मुख्यमंत्री और हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय नेता श्री वीरभद्र सिंह जी के आकस्मिक निधन पर गहरा आघात लगा है। वीरभद्र सिंह जी ने बहुत लम्बे समय तक हिमाचल प्रदेश का नेतृत्व किया। उन्हे एक अनुभवी नेता और उनके शासन कौशल के लिए जाना जाता था। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। वह हमसे जितना गुस्सा करते थे उतनाँ प्यार भी करते थे। उनका जाना कांग्रेस पार्टी और समूचे प्रदेश के लिए अपूर्णीय क्षति है। उनके परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कांग्रेस के दिग्गज नेता वीरभद्र सिंह, जो आधी सदी से अधिक समय से सक्रिय राजनीति में थे, उन्होंने रिकॉर्ड छठी और आखिरी बार 25 दिसंबर, 2012 को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। वीरभद्र सिंह, को शिक्षा, सामाजिक, बुनियादी ढांचे और बिजली क्षेत्रों में सुधारों का श्रेय दिया जाता है, उन्होंने 23 वर्षों से अधिक समय तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। डॉक्टरों के मुताबिक कोविड की जटिलताओं के साथ तीन महीने की लंबी लड़ाई के बाद गुरुवार तड़के उनका इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। 'राजा साहब' के नाम से लोकप्रिय वीरभद्र सिंह का जन्म 23 जून, 1934 को बुशहर की तत्कालीन रियासत में हुआ था।

उनके राजनीतिक जीवन की एक समयरेखाः

1962ः महासू से लोकसभा के लिए चुने गए।

1967ः महासू से लोकसभा के लिए फिर से चुने गए।

1971ः मंडी से लोकसभा के लिए चुने गए।

1976ः पर्यटन और नागरिक उड्डयन के लिए केंद्रीय उप मंत्री के रूप में शामिल किया गया।

1977ः मंडी से लोकसभा चुनाव हार गए।

1980ः मंडी से लोकसभा के लिए चुने गए।

1982ः केंद्रीय उद्योग राज्य मंत्री बनाये गये।

1983ः राम लाल की जगह मुख्यमंत्री नियुक्त किये गये।

1985ः रोहडू से विधानसभा के लिए चुने गए, दूसरी बार मुख्यमंत्री बने।

1990ः रोहडू से विधानसभा के लिए चुने गए।

1993ः रोहडू से विधानसभा के लिए चुने गए, तीसरी बार मुख्यमंत्री बने।

1998ः रोहडू से राज्य विधानसभा के लिए चुने गए और चौथी बार मुख्यमंत्री बने, लेकिन बहुमत साबित करने में विफल रहे।

2003ः रोहडू से राज्य विधानसभा के लिए चुने गए और पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनें।

2007ः रोहडू से छठी बार राज्य विधानसभा के लिए चुने गए।

2009ः मंडी से लोकसभा के लिए चुने गए और केंद्रीय इस्पात मंत्री नियुक्त किए गए।

2011ः सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए केंद्रीय मंत्री नियुक्त किये गये।

2012ः मंत्री पद से इस्तीफा दिया। नवनिर्मित शिमला (ग्रामीण) निर्वाचन क्षेत्र से राज्य विधानसभा के लिए चुने गए।

2012 (दिसंबर)ः रिकॉर्ड छठी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से 24 घंटे से भी कम समय में, वीरभद्र सिंह को एक बड़ी राहत मिली क्योंकि शिमला की एक अदालत ने उन्हें और उनकी पतने प्रतिभा सिंह को पुराना भ्रष्टाचार के मामले साढ़े तीन साल में बरी कर दिया था।

2013ः आम चुनावों से पहले, वीरभद्र सिंह ने फिर से यह सुनिश्चित करके अपनी योग्यता साबित की कि उनकी कांग्रेस पार्टी मंडी उपचुनाव लोकसभा सीट को बरकरार रखे।

2014ः वीरभद्र सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस सभी चार लोकसभा सीटें भाजपा से हार गई। हारने वाले उम्मीदवारों में मुख्यमंत्री की पतने प्रतिभा सिंह भी शामिल हैं।

2017ः अस्सी साल के 'राजा साहब' राज्य के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के गढ़ रहे अर्की से आठवीं बार जीते। भाजपा ने 68 सदस्यीय विधानसभा में 44 सीटें जीतकर राज्य को कांग्रेस से छीन ली।

2019ः वीरभद्र सिंह के नेतृत्व में, कांग्रेस ने सभी चार लोकसभा सीटें गंवा दीं और भाजपा ने रिकॉर्ड अंतर से जीत बरकरार रखी।